

## पद ३४४

(राग: पिलु – ताल: दीपचंदी)

हर हर घटमो एकहि एक । मुर्शद की निगाह से देख ॥ध्रु.॥ बाबा  
आदम से है पैदाइश । निकलेगा दम गिर जावे लाश ॥१॥ मानिक

कहे आपहि आप । आपहि बेटा आपहि बाप ॥२॥